साप्ताहिक
सिरमौर न्यूज़
HAPPY 2020 NEW YEAR

पांवटा साहिब : 31 दिसम्बर 2019, RNI No. HPHIN/2009/37157

नए साल की खुशी मनाने का तरीका भी हो नया

नए साल का जश्न आप कैसे मनाते हैं? पार्टी करके या फिर बाहर घूमने की योजना बनाकर ? साल नया है, तो इसकी खुशी मनाने का तरीका भी तो नया होना चाहिए ना...तो क्यों न इस बार नए साल को कुछ अलग और नए अंदाज में मनाया जाए....अगर आपका जवाब हां में है, तो जानिए नए साल के जश्न के यह 5 तरीके –

*हर साल आप अपने करीबी लोगों या फिर दोस्तों के साथ नए साल का जश्न मनाते हैं, लेकिन इस साल अपने इस जश्न में उन लोगों के भी शामिल कीजिए, जो कभी नए साल का उत्सव नहीं मना पाते। कभी कुछ झोपड़पट्टी इलाकों, अनाथ आलयों या फिर ऐसे इलाकों में जाकर भी जश्न मनाइए, आपके साथ कुछ और लोगों को भी खुशी मिलेगी तो आप भी इस आयोजन को सार्थक महसूस करेंगे।

*एक दिन का जश्न मनाने के बजाए, कुछ ऐसा प्लान कीजिए जो आपको सालभर खुशी दे सके और सच में नया साल बढ़िया गुजरे। आप चाहें तो अपनी पार्टी में मौजूद सभी लोगों के साथ साल भर के लिए कुछ योजनाएं बनाएं जिसमें मस्ती से लेकर, घूमना–फिरना, समाजसेवा और कुछ अच्छे कार्य भी शामिल हों।

*क्यों न कुछ और नया किया जाए। प्रकृति को सहेजने के साथ शुरुआत कीजिए नए साल की, और कुछ नए पौधे लगाइए। घर का हर सदस्य एक पौधा लगाए और उसकी खुशी मनाई जाए। आप चाहें तो पौधे लगाने के

आलावा घर में कुछ नए सदस्य भी ला सकते हैं। आप चाहें तो इनके नाम रख सकते हैं या इनसे दोस्ती कर सकते हैं। यकीन मानिए आप आत्मिकता महसूस करेंगे और आंतरिक खुशी भी।

*कहीं आउटिंग पर जाना नए साल के जश्न का बढ़िया विकल्प है। यह आपको भी नया बनाने में मदद करेगा। हर बार अगर आप दोस्तों के साथ बाहर जाते हैं, तो इस बार परिवार के साथ प्लान बनाएं, यह सभी सदस्यों को रिफ्रेश करने का अच्छा तरीका होगा।

*घर में ही रहकर अगर नए साल को सेलिब्रेट करना चाहते हैं, तो थीम आधारित पार्टी भी बेहतरीन विकल्प है। आप जो चाहें वह थीम चुन सकते हैं, और सभी सदस्यों के लिए टास्क तय कर सकते हैं। इसके अलावा पार्टी में कुछ गेम्स भी होंगे तो आपका मजा दुगुना हो जाएगा।

साभार– वेब दुनिया

पांवटा पीजी कॉलेज मे सिल्वर जुबली समारोह

पांवटा साहिब के श्री गुरु गोविन्द सिंह जी राजकीय महाविद्यालय की स्थापना को 25 वर्षों का समय पूरा हो चुका है। इस मोके पर कॉलेज में सिल्वर जुबली समारोह का आयोजन किया गया। विधायक सुखराम चौधरी ने इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की जबकि गेस्ट ऑफ ऑनर के तौर पर पूर्व प्रधानाचार्य रमेश रवि ने शिरकत की। मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया। इससे पूर्व कॉलेज के 25 वर्षो के कार्यकाल के बारे में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। प्राचार्या प्रोफेसर देविन्द्र गुप्ता ने मुख्य अतिथि को प्रदर्शनी के बारे मे जानकारी देकर कॉलेज की उपलब्धियां बताई। कॉलेज प्राचार्या प्रोफेसर देविन्द्र गुप्ता ने भी कॉलेज की उपलब्धियां और समस्याओं के बारे मे जानकारी दी। सम्बोधन के दौरान विधायक सुखराम चौधरी ने महाविद्यालय मे सुविधाएँ मुहैया करवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया विद्यालय के लिए 2.24 करोड़ रूपये स्वीकृत हुए है जिससे कक्षाओं के कमरे बनने है। अगले बजट मे भी बजट डलवाया जाएगा। तीन वर्ष मे चार नये पीजी कोर्स शुरू करवाये जायेंगे। खेल मैदान के जीर्णोद्धार के लिए जितना भी पैसा लगेगा वो विधायक निधि से उपलब्ध करवाया जाएगा।

जीएसटी रिटर्न न भरने पर होगी कार्यवाही

सिरमौर न्यूज़ – नाहन

उपायुक्त राज्य कर व आबकारी, जिला सिरमौर स्थित नाहन कुल भूषण गौतम ने यह जानकारी देते हुए बताया की जो व्यापारी महीने से रिटर्न नहीं भर रहे हैं उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी तथा पंजीकरण को सुओ–मोटो के तहत रद्द कर दिया जायेगा। कुल भूषण गौतम ने बताया की उनके कार्यालय में जीएसटी प्रैक्टिशनर के साथ एक बैठक आयोजित की गयी जिसमे जीएसटी अधिनियम के अंतर्गत रिटर्न भरने, आईटीसी क्लेम के नए प्रावधानों व अन्य नए प्रावधानों के बारे में जानकारी दी गयी। इसके अलावा इस सम्बन्ध में नए रिटर्न फॉर्म परिक्षण के बारे में भी जानकारी दी गयी।

उन्होंने बताया की बैठक में जीएसटी रिटर्न और इगवे बिल के प्रावधानों के बारे में भी बताया गया तथा यदि इस सन्दर्भ में कोई कठिनाई आती है तो वह राज्य कर व आबकारी के कार्यालय से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

इस बैठक में सहायक आयुक्त राज्य कर व आबकारी भूपराम शर्मा व अविनाश चौहान, सहायक राज्य कर व आबकारी अधिकारी संजय शर्मा के अलावा सुरेंद्र ठाकुर, शिव कुमार गर्ग, प्रमोद ठाकुर, प्रतीक, अनुज सैनी, राकेश सैनी और अनुभव बंसल उपस्थित थे।

स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए डीसी ने किया सम्मानित

सिरमौर न्यूज़ – नाहन

स्वच्छ भारत मिशन–ग्रामीण के अतंर्गत पॉलीथीन हटाओं पर्यावरण बचाओं का नाहन विकास खण्ड स्तर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें उपायुक्त सिरमौर डॉ0 आर0के0परूथी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए कहा कि 6 जून, 2020 तक सिरमौर को पूर्णता स्वच्छ बनाना हमारा लक्ष्य है, जिसके लिए उन्होंने सभी पंचायतों, महिला मण्डलों, नव युवक मण्डलों, स्वयं सहायता समूह से प्रशासन का सहयोग करने का आहवान किया। उन्होंने सभी पंचायतों से सिंगल यूज पॉलीथीन का इस्तेमाल न करने, पॉलीथीन बैंग की जगह कपड़े के बैंग इस्तेमाल करने, प्लास्टिक के कचरे से पालीब्रिक्स बनाने तथा कचरे को अलग–अलग कर निष्पादित करने के टिप्प भी दिए।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सिर्फ कूडें का निष्पादन करना समस्या का समाधान नहीं है हमें अपने व्यवहार में बदलाव लाने की आवश्यकता है, जिससे आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ वातावरण मिल सके। उन्होंने सभी पंचायतों को वार्ड स्तर पर अपना लक्ष्य निर्धारित करने और जिला वासियों से स्वच्छता के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करने का आहवान करते हुए सभी को पानी के सद्उपयोग करने के बारे में विस्तार पूर्ण जानकारी दी और पंचायतों में त्रिवेणी, पंचवटी रोपित कर वातावरण को शुद्व करने के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि पांच जनवरी को सभी पंचायतों में एक दिन पंचायत के नाम स्वच्छता अभियान की शुरूआत की जाएगी जिसके तहत हर महीने के प्रथम रविवार को पंचायतों में सफाई कर 6 जून, 2020 तक सिरमौर को प्लास्टिक मुक्त करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक दिन स्कूल के नाम अभियान के तहत स्कूली बच्चों ने दो चरणों में 2863 किलोग्राम पॉलीथीन इक्कठा किया है।

इस कार्यशाला में महिला मण्डल पराड़ा के सदस्यों ने स्वच्छता पर लघु नाटिका पेश की और महिला मण्डल बडावन ग्राम पंचायत सतीवाला के सदस्यों ने नृत्य के माध्यम से स्वच्छ भारत का संदेश दिया।

इसके अतिरिक्त राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से पुरस्कार प्राप्त कर चुकी ग्राम पंचायत पनार की सुमित्रा ने जागों मेरे देश के वासी, प्रदूषण को मिटाना है, भारत को स्वच्छ बनाना है, पालीब्रीक्स बनाना है–कविता पेश कर स्वच्छता का संदेश दिया।

खण्ड विकास अधिकारी अनुप शर्मा ने बताया कि नाहन विकास खण्ड में अभी तक सभी पंचायतों, महिला मण्डलों, स्वयं सहायता समूह, युवक मण्डलों ने दो क्विंटल से अधिक पॉलीथीन एकत्रित कर लगभग दो हजार पॉलीब्रिक्स बनाए है।

उपायुक्त ने इस अवसर पर स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभिन्न पंचायतों के प्रधान, सचिव, महिला मण्डल, सामाजिक कार्यकर्ता, सिलाई अध्यापिका और तकनीकी सहायकों को सम्मानित किया।

व्यंग्य

भारत रत्न का क्या लोगे?

बात उन दिनों की है जब हम लेखन के अखाड़े में उतरे ही थे । नये नए पहलवान में होश हो न हो , जोश भरपूर होता है । हल में चलाये जा रहे नए–नए बछड़ों की तरह हम भी रिसालों रूपी खेतों में पूँछ उठा कर चोकड़ी भरने लगे । धड़ा धड़ कवितायें , कहानियाँ , लेख भेजते रहे । पत्रिकाओं में छपने लगे तो मित्रों , पाठकों के फोन आने लगे । बधाइयों का ढेर लगने लगे । एक आध पत्रिका ने टिकेट विकेट लायक पैसे देने भी शुरू कर दिए । कुल मिला का मानना पड़ेगा कि हम स्थापित हो गए थे । प्राण प्रतिष्ठा तो सम्पादक कर ही चुके थे , जो कुछ प्राण छूट गए थे उनकी भी प्रतिष्ठा हो ही रही थी धीरे–धीरे , अब इतनी पत्रिकाएं हैं तो कोई न कोई तो छाप ही देगी । रही बात विधा ज्ञान की तो वो संपादकों को कौन से पता ही होता है सभी विधाओं के बारे में । नाम लेखकीय लगना चाहिए बस ।

अब पाठकों , मित्रों के अतिरिक्त संस्थाओं की नजरे इनायत भी होने लगी थी हम पर । लगे हाथ एक दो संस्थाओं ने तो सम्मान वम्मान भी दे डाले । होते करते जब तक हमने अखबारों , पत्रिकाओं में छपने की सेंचुरी मारी तब तक सप्ताह में प्रेम पत्रों के ढेर लगने लगे । लेकिन अब पत्र साधारण नहीं विशेष आने लगे थे , बड़ी बड़ी संस्थाओं के प्रेम पत्र । जिनमें लिखा होता था 'आदरणीय बंधू ! आपके साहित्यिक अवदान को देखते हुए हम इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि आपको 'काव्य श्री' सम्मान से सम्मानित करके खुद को गौरवान्वित कर डालें ।

अतः आपसे निवेदन है कि आप सम्मान पत्र और डाक व्यय सहित मात्र सौ रुपये भेज कर कृतार्थ हों ।" वो क्या है कि हम नहीं चाहते आप अपना कीमती समय और किराया खर्च कर हमारे इस छोटे से सम्मान के लिए यहाँ आकर हमें कष्ट दें । ऐसे प्रेम पत्र पाकर हम अपनी मूंछों पर ताव दे कर खुश हो रहे थे । कुछ व्यक्ति , संस्थाएं तो साहित्य के प्रति इतनी समर्पित हो गई हैं कि हमारे रुतबे को देखते हुए विशेषांकों तक की बात करने लगीं , कुछ ने साहित्यकार डायरेक्टरी छापने के लिए पचास रुपये तक की बड़ी रकम की मांग भी कर डाली । हमारे साहित्यिक दिल को अपार हर्ष का अनुभव तो तब हुआ जब कुछ सम्पादक महोदय के पत्र आने लगे , कहने लगे आपकी कहानी फलां पत्रिका में पढ़ी ,हम अभिभूत हैं आपके लेखन से, वाह ! क्या लिखते हैं आप ? हम भी आपकी इस कहानी को अपनी पत्रिका में प्रकाशित करने के लिए मरे जा रहे हैं । आप से विनम्र अनुरोध है कि प्रकाशन की अनुमति के साथ शगन के दो सौ रूपये भेज कर कृतार्थ करें ।

प्रेम पत्रों को पढ़ने का असली मजा अक्सर रात को बिस्तर में ही आता है, हमने ये पत्र पढ़ा और रजाई में मुंह देकर गुंड मुंड हो लिए । जब बंद आँखों के सामने भी ये पत्र बार बार भ्रमर की तरह मंडराने लगा तो हमने बाबा रामदेव के बताये मार्ग पर चलते हुए 'आना–पान' ध्यान (श्वासों के आने जाने पर ध्यान केंद्रित करना) किया तब जाकर कहीं निद्रा के आगोश में समाये ।

इसी तरह कई पत्र आते–जाते रहे , हाँ इतनी भूल हम भी कभी कर नहीं पाए कि दिए सम्पर्क सूत्र पर उनसे प्रेम के दो बोल कहें । जब पानी सिर पर बिठाये हमारे अराध्य देव के चरण कमलों को छू कर जाने लगा तो हमने लिखित जवाब देने बंद कर दिए ।

इसी काल में एक एतिहासिक दुर्घटना हुई , एक अंतरराष्ट्रीय संस्था की एक पत्रिका ,जिसका नाम स्वप्न में भी नहीं आया था कभी , उसमें हमारी बेबह्ट और बेरदीफ गजल शाया हुई थी, हमें पानी मिली खुशी हुई । साथ में एक पत्र भी था जिसका मजमून कुछ यूं था " महोदय/महोदया , सादर चरण वंदन ! आपकी इस कालजई रचना को अपने रिसाले में शाया कर हम धन्य हुए अतः आपको आपके जिला सिरमौर के नाम पर 'सिरमौर रत्न ' की उपाधि से अलंकृत करते हुए गौरवान्वित होना चाहते हैं । कृपया अपना एक खूबसूरत बिना छाया का चित्र , आपने क्या क्या गुल खिलाए हैं उसका विवरण और साथ में व्यवस्था शुल्क मात्र पांच सौ रपये भेज कर खुद को धन्य करें ।

प्रेम पत्र पढ़कर हमारा ह्रदय खुशी से दबदब हो गया । हमने नयन मूँद कर थोड़ी देर परमात्मा का नाम लिया और एक बाल्टी पानी पी कर आठ गुणे जोश के साथ लेखन कार्य में रत हो लिए । ऐसे प्रेम /अप्रेम पत्रों की अब आदत सी हो गई थी , महीने दो महीने बीत गए और हम भूल भाल गए । एक दिन अचानक हमारा मोबाइल कांपने लगा ,कोई अननोन नंबर इसे छेड़ रहा था । हमने पूछा भई कौन हो ? तो उधर से आवाज आई " मैं डॉ राम अहमद सिंह कलिंगटन ,अध्यक्ष अन्तराष्ट्रीय संस्था फलां बोल रहा हूँ ।" मैं सकपकाया , समझ नहीं पाया क्या अभिवादन करूँ , प्रणाम करूँ , आदाब या फिर ... बहरहाल मैंने अपने सभी संस्कारों को तिलांजलि देते हुए सीधे ही पूछ लिया " जी कहिये मैं वही बोल रहा हूँ ।" उधर से गर्मजोशी से फिर आवाज आई "हमने आपको एक प्रेम पत्र भारतीय डाक विभाग के माध्यम से रुखसत किया था , उम्मीद है मिल गया होगा । देखिये सर कार्यक्रम निकट ही पहुँच गया है लेकिन आपका कोई जवाब हमें अभी तक प्राप्त नहीं हुआ ।" हमने फरमाया "जी ! साहब ,सिरमौर तो हिमाचल का एक छोटा सा जिला है , आप देना ही चाहते हैं तो 'हिमाचल रत्न' दे दीजिये ।" उन्होंने तुरंत कहा " कोई बात नहीं आप पांच के स्थान पर सात सौ रुपये भेज दीजिये हम 'हिमाचल रत्न ' दे देते हैं ।" अब हमसे रहा न गया और कह गए "आप ये बताइए 'भारत रत्न' का क्या लोगे ?" उधर से उसके फोन की आवाज तूं तूं तूं की आवाज में बदल गई।

– अनन्त आलोक
साहित्यालोक , बायरी , डाकघर एवं तहसील ददाहू
जिला सिरमौर ,हिमाचल प्रदेश
173022 Mob : 9418740772
Email: anantalok1@gmail-com

अगर इस चीज का महत्व ना समझे तो महाविनाश के लिए रहें तैयार

निर्वाण का अर्थ संसार के ऊहापोह भरे सागर से ऊपर किसी पहाड़ी पर जाकर बसना नहीं है। निर्वाण का मतलब मन पर विजय है, समय का अतिक्रमण है। जिसने मन पर काबू पा लिया उस पर समय के कालचक्र का नुकीलापन प्रभावी नहीं होता। इसलिए हम मन से शून्य बनें, उसे मांजने के चक्कर में न पड़ें। हम अतीत हो जाएं मन से भी, शरीर से भी ताकि स्वयं ही हमारे सामने जीवन की यथार्थता स्पष्ट हो जाए। महावीर मन–मंजन के लिए संसार मुक्त नहीं हुए, अपितु संसार और संन्यास के जाल बुनने वाले मन से मुक्त होने के लिए वैराग्य मार्ग पर आरूढ़ हुए। महावीर बनना है तो इंद्रियों को जीतकर मन को अपने वश में करना होगा क्योंकि मन पर काबू पाना ही दुनिया का सबसे कठिन काम है। काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे विकारों पर लगाम कसना हर किसी के बस की बात नहीं। इसके लिए तो चाहिए दृढ़ संकल्प, दृढ़ इच्छा–शक्ति। इसलिए जो यह काम कर दिखाता है, वही सही मायनों में महावीर होता है।

दुनिया के सभी धर्मों और समाजों ने इसका किया है ज्यादा गुणगान

मन में कामना की कल्पनाएं मक्खियों की तरह इधर–उधर भिनभिनाती रहती हैं। ये कल्पनाएं एक लक्ष्य से ही जुड़ी रहतीं तो भी हम शायद लक्ष्य की गहराई तक पहुंच जाते। लेकिन मन तो थोड़ी खुदाई से ही पानी पा लेना चाहता है और हर दस कदम पर कुआं खोदने लगता है। दस गड्ढों की बिखरी मेहनत को एक ही स्थान पर प्रयोग में लाता तो सौ पाने के चक्कर में निन्यानब्बे को भी नहीं खोता रहता।

भौतिक चकाचौंध एवं आपाधापी के इस युग में कुछेक व्यक्तियों का भी थोड़ा सा मानसिक असंतुलन बहुत बड़े अनिष्ट का निमित्त बन सकता है। इसलिए महावीर हमें स्वयं से, अपने मन से लड़ने की प्रेरणा देते हैं। वह कहते हैं, 'बाहरी दुश्मन से क्या लड़ना, स्वयं से लड़ो। एक बार जिसने अपने मन को जीत लिया फिर उसे काहे का भय, काहे की चिंता। उसे न सुख के प्रति आसक्ति रहती है, न दुखों का डर। वह अपने–पराए से ऊपर उठकर सोचता है। जिसने इन अवगुणों से निजात पा ली वह जो चाहता है, पाता है।'

यदि कुछ पाने की इच्छा है तो कुछ का त्याग करो। त्याग से जो प्राप्त होगा वह स्थिर रहेगा। यदि चाह सब कुछ पाने की है तो सब कुछ त्यागना भी पड़ेगा। महावीर की तरह सब कुछ ऐसा मिलेगा जिसकी कल्पना भी नहीं की होगी, बशर्ते त्याग मन से हो। यदि मन के कोने में हल्की–सी भी चाह रह गई तो कुछ नहीं मिलेगा। महावीर निर्वाण दिवस का संदेश है कि शाश्वत आनंद की प्राप्ति के लिए सभी पूर्वाग्रहों, दुराग्रहों को साफ कर अपने मन पर, इंद्रियों पर अंकुश रखें। हालांकि यह आसान काम नहीं है, लेकिन यदि एक बार इस पर विजय पाने में सफल हो गए यानी अपना मन जीत लिया तो फिर सभी अपने–पराए पर विजय प्राप्त कर लेंगे।

इस तरह कर सकते हैं आप ईश्वर के दर्शन, करें बस यह काम

मानवता और पर्यावरण के साथ लगातार किए जा रहे खिलवाड़ के दौर में यदि महावीर और महावीर जैसे महापुरुषों के दर्शन के महत्व को नहीं समझा गया तो महाविनाश के लिए तैयार रहना होगा। मानव समाज इस समय एक ऐसे चौराहे पर खड़ा है जहां से उसे तय करना है कि हिंसा और आतंक का मुखौटा पहने धार्मिक उन्माद, संग्रह के प्रति जुनून और निरंतर शोषण के मार्ग पर ही चलते रहना है या फिर ऐसा मार्ग तलाश करना है, जो मानव जीवन और पर्यावरण को स्वस्थ, सुंदर और खुशहाल बनाए

प्रदेश वासियों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

Moon Light Bar & Restaurant

Taruwala, Paonta Sahib

प्रदेश वासियों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

Mezbaan Classic

Near Y-Point Opp. Vishal Mega Mart
Paonta Sahib Mob. 9729948160

गुरु की नगरी पर्यटन के रुप मे हो सकती है विकसित

सरकार मेहरबान हो तो पांवटा मे हर साल टुरिस्ट खर्च कर सकते है 300 करोड़ रुपए

दिनेश कुमार पुंडीर
पत्रकार दिव्य हिमाचल
पांवटा साहिब,
मोबाईल– 9736157400

जिला सिरमौर की पावन गुरु की नगरी पांवटा साहिब पर्यटन की दृष्टि से विकसित हो सकती है। सरकार की नजर–ए–इनायत हो तो पांवटा साहिब नगर मे प्र्यटक हर साल 300 करोड़ से अधिक का पैसा खर्च कर यहां के विकास को चार चांद लगा सकते है। मां यमुना की गोद मे बसी गुरु की नगरी पांवटा साहिब मे यदि सरकार और पर्यटन निगम प्र्यटन की नजर से उबारे तो इससे प्रदेश सरकार को तो फायदा होगा ही साथ साथ पांवटा के लोगों के लिए भी रोजगार के द्वार खुल जायेंगे। जानकारों का कहना है कि यदि ऐसा होता है तो पांवटा साहिब मे पर्यटक हर साल 300 करोड़ रुपए से अधिक खर्च कर सकतें है। इस राशि से जहां यहां के व्यापारियों की आर्थिक हालत सुधरेगी वहीं पांवटा के विकास को भी नई दिशा मिलेगी। पांवटा गुरु की पावन नगरी है। मां यमुना नदी की गोद मे बसा पांवटा नगर प्रदेश का एकमात्र ऐसा शहर है जहां से यमुना नदी होकर बहती है। और यहां से हर साल कम से कम 30 लाख श्रद्वालू और पर्यटक गुजरते हैं। लेकिन अभी तक भी इन पर्यटकों को पांवटा मे कुछ देर ही सही रोकने के लिए कोई खास प्रबंध नही है। लाखों श्रद्वालू यहां के एतिहासिक गुरु गोबिंद सिंह जी के गुरुद्वारे मे मत्था टेकने आतें हैं। पर्यटकों के लिए पांवटा मे अभी तक ऐसा कोई उपयुक्त रमणीक स्थल नही उभरा है ताकि वह यहां पर घूम सकें और यहां की सुंदरता का आनन्द लें सकें। जानकारों का मानना है कि पांवटा साहिब मे बहुत से ऐसे क्षेत्र है जिन्हे विकसित कर पर्यटक को बढावा मिल सकता है। यहां पर नगर के किनारे बहती यमुना नदी आर्कषण का केंन्द्र बन सकती है। सरकार और पर्यटन निगम यदि पहल करें तो इस नदी मे यमुना घाट के पास एक सुंदर कृत्रिम झील का निर्माण किया जा सकता है। जिसमे बोटिंग का पर्यटक आनन्द ले सकते है। यहां के दो पुराने पार्कों की हालत को भी सुधारा जा सकता है। गिरिपार क्षेत्र मे निगाली को

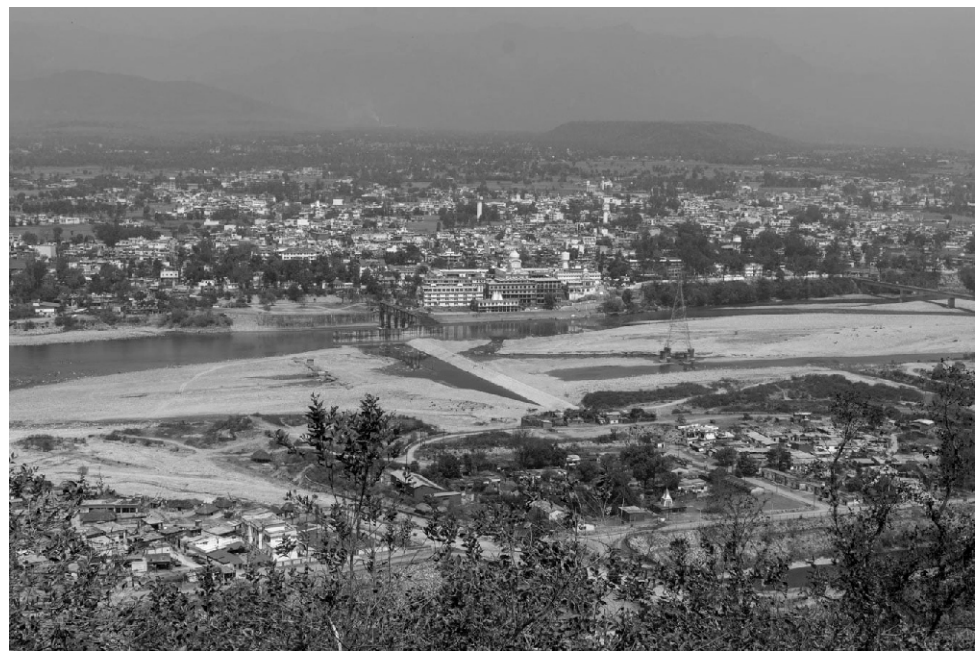

एक हिल स्टेशन के रुप मे उभारा जा सकता है। यहां पर प्राकृतिक सुंदरता कूट कूटकर भरी है सिर्फ उसे तराशने की जरुरत है। खोदरी–टौंरु प्रस्तावित रोप–वे पर भी कार्य पूरा करके क्षेत्र मे प्र्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है। इसके अलावा पांवटा के साथ लगते कर्नल शेरजंग नेशनल पार्क भी पर्यटकों के लिए एक रोमांचक पर्यटक स्थल के तौर पर उभर सकता है। यहां पर पर्यटक विभिन्न प्रजातियों के पशु–पक्षियों को देखने के लिए आ सकते है। बशर्ते उन्हे सुविधाएं मिले। हालांकि पांवटा मे यमुना पथ के नाम से नदी किनारे एक रास्ता बनाया गया है जो आने वाले समय मे पर्यटकों के लिए आर्कषक का केन्द्र बन सकता है लेकिन यदि सरकार चाहें हो तो पांवटा मे इससे अधिक पर्यटन स्थल विकसित किए जा सकते हैं। हालांकि जिलाधीश

कृत्रिम झील पर बोटिंग खींच सकती है पर्यटक - पांवटा नगर को मां यमुना नदी के रुप मे एक बड़ी सौगात मिली हुई है। यदि हम इस नदी का उपयोग सही ढंग से कर पातें है तो यह पर्यटकों के लिए एक आर्कषक का केंद्र बन सकता है। बह्दामण सभा पांवटा साहिब के प्रधान अजय शर्मा बतातें हैं कि यमुना घाट पर एक कृत्रित झील बनाई जा सकती है। इस झील पर यदि बोटिंग शुरु होगी तो यहा पर पर्यटक खुद–ब–खुद रुकेंगे। इस प्रकार के और भी कई ऐसे कार्य हो सकते हैं जो पर्यटकों को पांवटा मे रुकने पर मजबूर कर सकते हैं। ब्लू प्रिंट विजन कमेटी के संयोजक अनिन्द्र सिंह नौटी की टीम ने भी पांवटा के विकास का एक खाका तैयार कर प्रशासन और सरकार तक विकास की बात पंहुचाई है। इनके मुताबिक भी पांवटा साहिब मे प्र्यटन की अपार संभावनाएं हैं। और यदि सरकार यहां से गुजरने वाले प्र्यटकों को सिर्फ 10 मिनट यहां रुकने का कोई ठोस कारण दे सकें तो पांवटा हर साल कम से कम 300 करोड़ का सालाना कारोबार करेगा। **देहरादून-चंडीगढ़ एनएच से हर साल गुजरते है लाखों पर्यटक -** पांवटा साहिब मे हर साल देहरादून–चंडीगढ़ एनएच से लाखों की तादात मे पर्यटक गुजरतें है लेकिन यहां रुकने के लिए कोई खास कारण या पर्यटक स्थल नही है। इसलिए वह सीधे देहरादून या चंडीगढ़ चले जाते है। सिखों की पवित्र धार्मिक यात्रा हेमकुंड साहिब की संगतें भी हर साल लाखों की तादात मे पांवटा साहिब से गुजरती है। यदि इन पर्यटकों व यात्रियों को 10 मिनट के लिए पांवटा के रोकने के प्रबंध हो तो पांवटा की काया ही पलट जाएगी। साभार –दिव्य हिमाचल

जानलेवा हो सकता है ब्रेन ट्यूमर समय रहते ही पहचानें इन लक्षणों को

ब्रेन ट्यूमर होने पर सिर्फ आपका मस्तिष्क ही प्रभावित नहीं होता, बल्कि इसका असर आपके शरीर पर भी दिखाई देता है। ऐसे ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित व्यक्ति की देखने व बोलने की क्षमता कम होने लगती है। इतना ही नहीं, उसे शरीर व चेहरे के एक भाग में कमजोरी का अहसास होता है।

दिमाग किसी भी व्यक्ति के शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग माना गया है, क्योंकि आपका मस्तिष्क ही पूरे शरीर को संचालित करता है। ऐसे में आपके मस्तिष्क में जरा सी भी गड़बड़ी बहुत अधिक घातक हो सकती है। ऐसी ही एक बीमारी है ब्रेन ट्यूमर। जब मस्तिष्क की कोशिकाएं असामान्य रूप से बढ़ने लगती हैं और एक गांठ बन जाती है तो उसे ब्रेन ट्यूमर कहा जाता है। इस स्थित मिं मस्तिष्क के किसी हिस्से में कोशिकाओं का एक गुच्छा बन जाता है। हालांकि यह जरूरी नहीं है कि ट्यूमर कैंसर ही हो, लेकिन यह बाद में कैंसर बन सकता है। ब्रेन ट्यूमर इतना खतरनाक होता है कि इसके कारण व्यक्ति की जान तक चली जाती है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि आप समय रहते इसकी पहचान करके इलाज शुरू कर दें। तो चलिए आज हम आपको उन लक्षणों के बारे में बताते हैं, जो ब्रेन ट्यूमर होने का इशारा करती हैं.

तेज सिरदर्द

वैसे तो आज की तनावपूर्ण जीवनशैली में व्यक्ति को अक्सर सिरदर्द की शिकायत होती है। कुछ लोग माइग्रेन के कारण भी सिरदर्द से परेशान रहते हैं। लेकिन अगर आपको लगातार बहुत तेज सिरदर्द बना रहता है तो यह जरूरी है कि आप एक बार जांच जरूर करवाएं, क्योंकि ब्रेन ट्यूमर होने का पहला और सबसे मुख्य लक्षण तेज सिरदर्द ही है। इतना ही नहीं, ब्रेन ट्यूमर होने पर व्यक्ति को इतना तेज सिरदर्द होता है कि उससे बर्दाश्त नहीं होता। यहां तक कि उसे उल्टियां भी शुरू हो जाती हैं।

कमजोर याददाश्त

ब्रेन ट्यूमर हमारे दिमाग की कार्यक्षमता पर भी विपरीत प्रभाव डालता है। इसलिए अगर आपको सिरदर्द के साथ.साथ याददाश्त भी कमजोर होने लगी है तो यह

ब्रेन ट्यूमर का संकेत हो सकता है।

दौरे पड़ना

ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित व्यक्ति को बार.बार दौरे पड़ते हैं। यहां तक कि वह बेहोश भी हो जाता है। इसे बिल्कुल भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। अनदेखी आपके लिए जानलेवा हो सकती है।

शरीर पर प्रभाव

ब्रेन ट्यूमर होने पर सिर्फ आपका मस्तिष्क ही प्रभावित नहीं होता, बल्कि इसका असर आपके शरीर पर भी दिखाई देता है। ऐसे ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित व्यक्ति की देखने व बोलने की क्षमता कम होने लगती है। इतना ही नहीं, उसे शरीर व चेहरे के एक भाग में कमजोरी का अहसास होता है। कुछ मामलों में तो व्यक्ति को अपने शरीर का बैलेंस बनाने में व रोजमर्रा के काम करने में भी दिक्कत का सामना करना पड़ता है।

सिरमौर न्यूज़

सिरमौर की अन्य खबरों के लिए हमारी वेब साईट पर लॉग इन करें

www.sirmournews.in

वीडियो के लिए हमारे Youtube Channel को Subscribe करें

प्रदेश वासियों को

नव वर्ष की

हार्दिक शुभकामनाएं

NANZ MED SCIENCE PHARMA (P) LTD.

A Unit Of Med Science Canada Inc.

Rampurghat, Paonta Sahib,

Dist. Sirmour Himachal Pradesh- 173025. India

प्रदेशवासियों को **नव वर्ष** की हार्दिक शुभकामनाएं

चौधरी किरनेश जंग-पूर्व विधायक,पांवटा साहिब

Valley Iron & Steel Co.Ltd.

प्रदेशवासियों को

नव वर्ष की

हार्दिक शुभकामनाएं

Corporate Office :

Exchange Store Building , Sham nath Marg,
Civil Lines , Delhi- 110054 INDIA
Tel: 01123919047/48/49
Fax: 01123919051 Email: info@bindal.in
Website: www.bindal.in

Factory:

Village : Rampur Majri,
Dhaula Kuan , Paonta Sahib , Distt.-Sirmour
Himachal Pradesh - 173001 INDIA
Mob. +91-9816667730
Email: valleyironplant@gmail.com

प्रदेश वासियों को

नव वर्ष की

हार्दिक शुभकामनाएं

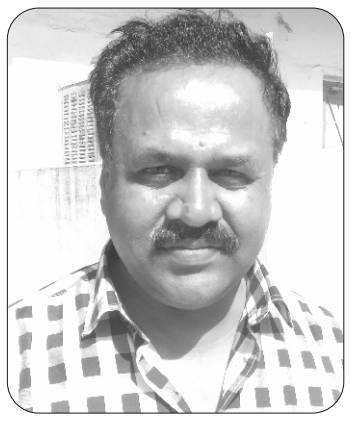

दाताराम

पंचायत प्रधान

पातलियां

नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

मलकीत सिंह चौधरी

पंचायत प्रधान, धौलाकुंआ

प्रदेश वासियों को

नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

Thakur Transport Co.

V.P.O. Sataun , Distt. Sirmour,Himachal Pradesh

आप सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

SUPERCHEM INDUSTRIES

We manufacture protein powder,
energy drinks and other food supplements
under food and drugs.

Jaamniwala Road , Near Jambukhala ,
Badripur , Paonta Sahib (H.P.)
PH. 01704-223345 , Mob. 9896363645